हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 22 अप्रैल 2019 को पृथ्वी दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2019 को पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण तरुवाटिका (Western Himalayan Temperate Arboretum), पॉटर हिल, शिमला में पृथ्वी दिवस (अर्थ डे) का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के

वैज्ञानिक, **डॉ. वनीत जिष्टु** ने डॉ. वी.पी. तिवारी, निदेशक, वैज्ञानिकों, कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सैंट बीड्स महाविद्यालय तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं तथा प्राध्यापकों का अभिनंदन तथा स्वागत किया। उन्होंने बताया कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश वन विभाग की वित्तीय सहायता से पॉटर हिल, शिमला में पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण तरुवाटिका (Western Himalayan Temperate Arboretum) की स्थापना की गई है। इस तरुवाटिका में सम-शीतोष्ण क्षेत्र में पाई जाने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण प्रजातियाँ लगाई गई है और भविष्य में भी लगाई जाती रहेगी।

कार्यक्रम के उदघाटन अवसर पर अपने सम्बोधन में **डॉ. वी.पी. तिवारी**, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने इस बर्ष के लिए चुने गए थीम "Protect our Species" पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है जो अब 192 से अधिक देशों में मनाया जाता है । उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अधीनस्थ नौ संस्थानों में से एक है, जो राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार से संबंधित गतिविधियों के संचालन के लिए पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख स्वायतशासी निकाय है । उन्होंने आगे बताया कि संस्थान समय-समय पर वानिकी और पर्यावरण संबंधी विषयों पर हितधारकों और आम जनता को जागरूक करने लिए इस प्रकार का कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

विषयवस्तु पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होने कहा कि पर्यावरण पर केन्द्रित एक राष्ट्रीय दिवस के आयोजन का विचार पृथ्वी दिवस के जनक अमरीका के सीनेटर श्री गेलॉर्ड नेल्सन को 1969 में कैलिफोर्निया में भारी मात्रा में तेल फैलने से हुई विभीषिका को देखने का बाद आया। 22 अप्रैल 1970 को 2 करोड़ अमेरिकी सड़कों, पार्कों एवं ऑडिटोरियम में एक स्वस्थ एवं टिकाऊ पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धतता दर्शाने के लिए एकत्र हुए और तब से यह दिवस प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। उन्होने कहा कि दुनिया में लगभग छः हज़ार पौध प्रजातियाँ ऐसी है जो खाद्य पदार्थ के रूप में प्रयुक्त होती है लेकिन उनमें से दो तिहाई केवल 9 प्रजातियों से आती है। समुद्र का एक तिहाई भाग प्लास्टिक से भरा पड़ा है। समुद्री मछलियाँ इन अपघटित हो रहे प्लास्टिक के अंश को निगल लेती हैं और बाद में मछलियाँ मनुष्यों के खाने में सम्मिलित होती है। इस प्रकार प्लास्टिक हमारे फूड-चेन में आ जाता है। भारतवर्ष में लगभग 45,000 प्रजातियाँ फूलों एवं पौधों की है और लगभग 91,000 जीव प्रजातियाँ है जिनमें से कई विलुप्त होने के कगार पर है। आज जवलंत समस्या पर्यावरण सारंक्षण, जलवायु परिवर्तन एवं जैव-विविधतता बचाने की है जिसके लिए लोगों को जागरूक किया जाना आवश्यक है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य-वक्ता, श्री राजा भसीन, भारतीय राष्ट्रीय न्यास कला और

संस्कृति विरासत के राज्य समन्वयक ने 'वर्तमान स्थिति के लिए शिमला की समृद्ध विरासत' पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि ईस्ट-इंडिया कंपनी द्वारा शिमला को बसाने तथा इसके बाद शहरीकरण के दौरान बहुत से पेड़ काटे गए जिसके कारण यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों पर बहुत दुष्प्रभाव पड़ा। भविष्य में हमें अन्य देशों की तरह प्राकृतिक आपदाओं से ना जूझना पड़े इसलिए हमें अपनी धरती मां से मिलने वाली हर चीज का सम्मान और रखरखाव करना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित वातावरण में रह सकें। हमें पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने के लिए सभी संभव उपायों का सख्ती से पालन करना चाहिए तथा वनीकरण, पुनर्वितरण, प्रयुक्त कागज और अन्य प्राकृतिक उत्पादों का पुनर्चक्रण, प्राकृतिक संसाधनों (खनिज, कोयला, पत्थर, तेल, आदि) की बचत, बिजली, पानी और

पर्यावरण को समर्थन और बढ़ावा देना चाहिए। उन्होने कहा की हम सभी को प्रदूषण पर अंकुश लगाने और ग्लोबल- वार्मिंग के प्रभावों को कम करने के लिए आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

इस कार्यक्रम में सैंट-बीड्स महाविद्यालय, शिमला की छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण बिषय पर एक नाटक का मंचन भी किया तथा डॉ. वनीत जिष्टु ने इस बर्ष के थीम **"Protect our Species"** पर कुछ प्रश्न पूछ कर छात्रों को जागरूक तथा उनका ज्ञानवर्धन किया।

अंत में **डॉ. राज कुमार वर्मा**, प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने कार्यक्रम में पधारने पर निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, कार्यक्रम के मुख्य-वक्ता श्री राजा भसीन, छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों, संस्थान से आए वैज्ञानिकों एवं वन अधिकारियों तथा विशेषकर कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए डॉ. वनीत जिष्टु एवं उनकी टीम का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां

मीडिया कवरेज़

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने अर्थ डे मनाया

शिमला, 22 अप्रैल (अ.स.): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश वन विभाग की वित्तीय सहायता से विकसित की जा रही वेस्टर्न हिमालयन टेम्परेट अर्बोरेटम, पॉटर हिल, समर हिल शिमला में पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में सेंट बीड्स, महाविद्यालय, शिमला तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया इस मौके पर निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला डॉ. वीपी तिवारी, ने कहा कि पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्थन प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। पहली बार 1970 में मनाया गया, पृथ्वी दिवस में अब 193 से अधिक देशों में कार्यक्रम में शामिल है, जो अब पृथ्वी दिवस नेटवर्क द्वारा विश्व स्तर पर मनाया जाता हैं। उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा संस्थान में से एक है, जो राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार से संबंधित गतिविधियों के संचालन के लिए पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख संगठन है। उन्होंने आगे बताया कि संस्थान समय-समय पर वानिकी और पर्यावरण संबंधी विषयों पर हितधारकों और आम जनता को जागरूक करने लिए इस प्रकार का कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करता रहता है। इस अवसर अपने सम्बोधन में राजा भसीन, लेखक, इतिहासकार एवं पत्रकार, भारतीय राष्ट्रीय न्यास कला और संस्कृति विरासत के राज्य समन्वयक ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि पृथ्वी हमारा ग्रह है और जीवन की निरंतरता के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
23-Apr-2019
Page: 7
http://www.ajitsamachar.com/20190423/8/7/1_1.cms

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया पृथ्वी दिवस

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने हिमाचल प्रदेश वन विभाग की वित्तीय सहायता से विकसित की जा रही वेस्टर्न हिमालयन टेम्परेट अर्बोरेटम पर पोर्टरहिल समरहिल शिमला में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में सेंट बीड्स कॉलेज शिमला और हिमाचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. वीपी तिवारी निदेशक वन अनुसंधान केंद्र शिमला ने कहा कि पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को हर साल मनाया जाता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए आम लोगों को जागरूक करने के लिए ऐसे आयोजन किए जाते है। लेखक एवं इतिहासकार राजा भसीन ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने पृथ्वी का संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए किए जाने का संदेश दिया। पेड़, प्राकृतिक वनस्पति, पानी, प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का महत्व बताया। इसके अलावा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के वैज्ञानिक डॉ. विनीत जिस्टु ने भी अपने विचार रखे । ब्यूरो

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया पृथ्वी दिवस

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने सोमवार को वन विभाग की वित्तीय सहायता से विकसित की जा रही वेस्टर्न हिमालयन टेंपरेट अर्बोरेटम, पॉटर हिल, समरहिल शिमला में पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सेंट बीड्स महाविद्यालय शिमला व हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने बताया कि यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार से संबंधित गतिविधियों के संचालन के लिए पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का एक प्रमुख संगठन है। संस्थान समय-समय पर वानिकी और पर्यावरण संबंधी विषयों पर हितधारकों और आम जनता को जागरूक करने लिए इस प्रकार का कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस मौके पर भारतीय राष्ट्रीय न्यास कला और संस्कृति विरासत के राज्य समन्वयक राजा भसीन ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि पृथ्वी हमारा ग्रह है। यह जीवन जारी रखने के लिए सभी बुनियादी संसाधनों से भरा हुआ है, लेकिन इंसान के कुछ अनैतिक व्यवहार के कारण इसमें लगातार गिरावट हो रही है।

शिमला में मनाया पृथ्वी दिवस

शिमला, 22 अप्रैल (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला (एच.एफ.आर.आई.) द्वारा वन विभाग की वित्तीय सहायता से विकसित की जा रही वैस्टर्न हिमालयन टे परेट अबॉरिटम पोटर हिल में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया। इसमें सेंट बीड्स कालेज शिमला और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया। एच.एफ.आर.आई. के निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने कहा कि दुनियाभर में पृथ्वी दिवस 1970 से मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान समय-समय पर वानिकी और पर्यावरण संबंधी विषयों पर हितधारकों और आम जनता को जागरूक करने लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। लेखक, इतिहासकार एवं पत्रकार भारतीय राष्ट्रीय न्यास कला और संस्कृति विरासत के राज्य समन्वयक राजा भसीन ने कहा कि पृथ्वी हमारा ग्रह है और जीवन की निरंतरता के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Tue, 23 April 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/38759036

Pledge to save 'Mother Earth'

TRIBUNE NEWS SERVICE

SHIMLA, APRIL 22

Spreading the message of "Protect our species", students of St Bede's College and Himachal Pradesh University participated in the Earth Day celebrations at Western Himalayan Temperate Arboretum, near Summer Hill. The event was organized by the Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla.

Addressing the gathering, Dr VP Tewari, HFRI director, said Earth Day is celebrated to demonstrate support for environmental protection in more than 193 countries. The institute is also involved in sensitizing the stakeholders and general public about forestry from time-to-time. "Protect Our Species" is the theme this year, he added.

"Nature's gifts to our planet are the millions of species that we know and love, and many more that remain to be discovered. The world is facing the greatest rate of extinction of important plant and wildlife species due to increased human activity", Dr Vaneet Jishtu, scientist, HFRI said.

Raja Bhasin, author and historian, and state co-convener of the Indian National for Art and Culture Heritage, in his keynote, address urged the students to respect and maintain everything they get from the Mother Earth.

"We should save the earth so that our future generations can live in a safe environment and should strictly follow all measures to control the environmental pollution", he added.

Bhasin said everyone should plant more trees to reduce the ill-effects of global warming.

The Tribune Tue, 23 April 2019
https://epaper.tribuneindia.com/c/38757500

****